

Nachsatz α) condit. PRAÇNOP. 6, 1. — β) potent. Spr. 3662. — h) im perf. (आह्); im Nachsatz ततस् ohne verbum finitum R. 1, 63, 24. — f) ohne verbum finitum; im Nachsatz α) praes. MBh. 3, 2331. R. 7, 94, 14. Spr. 2363. 2370. 4112. किमत्र चित्रं यदि विशाखे शशाङ्कलेखामनुवर्तते ÇĀk. 33, 21. mit तद् KATHĀS. 63, 80. mit तदा PAT. zu P. 7, 1, 30. — β) fut. MBh. 3, 15757. 16735. mit तद् KATHĀS. 53, 20. — γ) imperat. MBh. 3, 2434. 2768. 16847. R. 1, 33, 16. 63, 21. RAGH. 3 51. Spr. 833. 3713. 4818. KATHĀS. 17, 23. mit तद् (v. l. ततस्) ÇĀk. 3, 6. KATHĀS. 24, 193. mit तदा GĪR. 1, 3. मा स्म कृथाः (= imperat.) im Nachsatz KATHĀS. 18, 272. — δ) potent. Spr. 4032. 5213. BHĀG. P. 6, 10, 32. चित्रम् — पश्येद्यदीश्वरम् VOP. 23, 15. — e) perf. (आह्) BHĀG. P. 6, 10, 6. — ζ) kein verbum finitum M. 9, 149. 204. ÇĀk. 16. Spr. 1139. 2339. 2362. 2369. 4817. KATHĀS. 40, 22. KĀÇ. zu P. 1, 2, 35. mit तद् KATHĀS. 26, 97. mit ततस् Spr. 2360. mit तदा HIT. 18, 19. mit तर्हि PAÑĀT. 24, 9. mit तथा RV. PRĀT. 11, 35. — 2) wenn so v. a. so wahr bei Bethuerungen: पयच्छे (पयच्छे N. 11, 36) नैपधादन्यं मनसापि न चित्तये । तथायं पततां नुनः परामुर्मग्नोवनः ॥ MBh. 3, 2399. fg. यदि मे ऽस्ति तपस्तप्तं यदि दत्तं ऊतं यदि । अश्रुश्रुभर्तृणां मम पुण्यास्तु शर्वरी ॥ 16844. यद्यार्थपुत्रादन्यत्र न स्वप्ने ऽपि मनो मम । तदुत्तरं सरसः पारम् KATHĀS. 51, 31. — 3) ob: तं च पापं न ज्ञानीमा यदि दग्धः पुरोचनः MBh. 1, 5879. कृच्छ्रणामेधमध्ये वदत यदि मुखं स्वल्पमप्यस्ति किञ्चित् Spr. 711. KUMĀRAS. 5, 44. तां समाचक्ष्व कल्याणीं यदि स्याच्छैव्य मानुषी MBh. 3, 15615. विचार्यतां यदि — स्यात् ÇĀk. 90, 21. ज्ञानीहि यदि केनापि दृष्टा सा नगरी न वा KATHĀS. 24, 51. यद्येका यदि ब्रह्मवः किमनेन फलं तु सर्वथा वाच्यम् VARĀH. BRH. S. 11, 6. Zum Ueberfluss noch किम् hinzugefügt: कृच्छ्रे पश्यत तद्वतो यदि पुनश्चिन्नादतो वर्धयो दृष्टः किं परिणामद्विपितचितिर्बिः पृथक्करपि PRAB. 27, 11. fg. — 4) wenn so v. a. dass nach nicht glauben, nicht für möglich halten, nicht duldin: नाशंसे यदि जीवन्ति सर्वे ते शर्वरीमिमाम् R. 2, 51, 14. नाशंसे यदि ते सर्वे जीवेयुः शर्वरीमिमाम् 86, 15. यदि भवद्विधः तत्रियं याजयेत् नावकल्पयामि, न मर्यायामि P. 3, 3, 147, VĀrtt., Sch. VOP. 23, 13. डुष्करं यदि mit praes. oder potent. so v. a. schwerlich MBh. 3, 2650. fg. R. 2, 73, 7. R. GORR. 2, 73, 20. मन्दप्राणो ह्ययं पत्नी कथं चिद्यदि जीवति lebt nur kaum 3, 73, 3. — 5) ob nicht vielleicht, vielleicht dass: ममाप्येष सदा ब्रह्मन्हृदि कामो ऽभिवर्तते । धातयेयं यदि रूपे भीष्ममित्येव नित्यदा ॥ MBh. 5, 6095. भोजनं च समानाद्य यत्तदादीपितं मया । क्रुध्येशा यदि मात्सर्पादिति 13, 2888. रामं दर्शय धर्मज्ञं यदि किञ्चिद्वाप्स्यसि (से ed. Bomb.) R. 2, 32, 30. आशया यदि मां रामः पुनः शब्दाप्येदिति 39, 7. तस्य बुद्धिरभूदियम् । स्वरमेतं यदि श्रुत्वा लक्ष्मणं प्रेरयेदिक ॥ सीता प्रन्येन मनसा भर्तृस्नेहसमुत्सुका । ततो लक्ष्मणकीनां तां रावणो वै करेदिति ॥ 3, 50, 23. fg. उत्तरीयं वरारोहा श्रुभान्याभरणानि च । मुमोच यदि रामस्य शंसेपुरिति ज्ञानकी ॥ 60, 6. fg. दृष्टव्या ब्रह्मवः पुत्रा यद्येका ऽपि (so die ed. Bomb. st. यद्यप्येको der ed. Calc.) गयो व्रजेत् MBh. 3, 8075 = 8305 = 13, 4253; vgl. R. 2, 107, 13 (113, 13 GORR.). MEGH. 106. यद्यप्येको (= यद्येको ऽपि) ऽनुवेदीया भावानां चैव संस्थितम् JĀĒS. 3, 104. एतस्य गुणस्तुतिं जिह्वासकृत्स्नया द्वितीयेन (so zu lesen) यदि (so die Hdscr.) कदाचित्कर्तुं समर्थः स्यात् HIT. 27, 7. यदि तावदेवं क्रियताम् so v. a. wie, wenn man nun etwa so thäte? ÇĀk. 71, 8. यदि तावदस्य शिशोर्नामत मातरं पृच्छामि 104, 21. — 6) zum Ueberfluss mit चेद् verbunden: कैकेय्या यदि चेद्वायं स्यादधर्म्य-

VI. Theil.

नाथवत् । नहि नो जीवितेनार्थः R. 2, 48, 19. — 7) überflüssig nach पुरा bevor, ehe: पुरा मातुः पितुर्नापि यदि पश्यामि विप्रियम् । न जीविष्ये MBh. 3, 16846. fg. — 8) यद्यपि auch wenn, obgleich, etsi ÇĀT. Br. 14, 4, 23. M. 8, 164. 9, 154. 319. MBh. 1, 6118. BHAG. 1, 38. R. 2, 37, 30. 61, 2. ÇĀk. 30. Spr. 1931. 2390. 4832. ÇĪÇ. 16, 82. तथापि im Nachsatze R. 2, 23, 16. 3, 3. RAGH. 4, 7. Spr. 2389. 4830. KATHĀS. 52, 375. HIT. 69, 22. 73, 16. 92, 16. 120, 5. DHĪRTAS. 76, 17. PRAB. 97, 3. SĀJ. zu RV. 1, 123, 1. SARVADARÇANAS. 90, 3. 172, 22. तदपि Spr. 2388. 4831. KATHĀS. 36, 80. 114. HIT. 53, 8. यदि — यदि च — यद्यपि Spr. 4817. अयि यदि — तथापि PRAB. 7, 13. fg. Ueber यद्यप्येकः st. यद्येको ऽपि s. u. 3). — 9) यदि — यदि वा, यदि वा — यदि वा, यदि वा — यदि, यदि वा — वा, वा — यदि वा wenn — oder wenn, ob — oder: यद्यर्चयिदि वार्ति शोचिः AV. 1, 23, 2. 2, 14, 5. 4, 12, 7. यदि धर्मं यशोलाभमभिवान्कृत्ति पार्थिव । ततो रामं प्रयच्छेकं यदि वा अद्घासि मे ॥ R. GORR. 1, 22, 16. यदि — वा — यदि वा Spr. 2372. यदि वा द्ये यदि वा न RV. 10, 129, 7. AV. 7, 38, 5. यदि वास्य वनस्य त्वं (v. l. वनस्यासि) देवता यदि वाप्सराः । आचक्ष्व MBh. 1, 6010. यदि वासौ समृद्धः स्याद्यदि वाप्यधनो भवेत् । यदि वाप्यसमर्थः स्यात्क्षेयमस्य चिकीर्षितम् ॥ 3, 2740. यदि वार्ति त्रैककुदं यदि यामनुमुच्यसे AV. 4, 9, 10. यदि वा बुद्धिपूर्वाणि यद्यबुद्ध्यापि कानिचित् । मया कृतान्यकार्याणि तानि त्वं ज्ञतुमर्हसि ॥ MBh. 3, 3021. पातालं यदि वा नीता वर्तते वा नभस्तले R. 4, 3, 5. को हि तद्देद यद्यमुष्मिं लोके ऽस्ति वा न वा TS. 6, 1, 1. तन्न ज्ञानामि वार्त्तेय यदि जीवति वा न वा MBh. 7, 4217. R. 3, 63, 10. 4, 40, 9. 5, 9, 30. अन्नर्महो वा यदि बोधमुत्पतेः । समुद्रपारं यदि वा प्रधावसि । तथापि MBh. 4, 428. R. 2, 30, 10. M. 3, 242. 4, 117. MBh. 3, 3036. 5, 7080. R. GORR. 2, 30, 17. 3, 46, 21. 4, 43, 9. 50, 18. Spr. 2181. 2348. 3001. fg. BRAHMA-P. in LA. (II) 52, 14. न चैतद्विद्यः कतरत्रो गरीयो यदा ज्ञेयं यदि वा नो ज्ञेयुः BHAG. 2, 6. यदि वा allein oder wenn, oder (TRIK. 3, 4, 4) R. GORR. 2, 7, 28. 20, 12. HIT. 19, 7. सो अद्घ वेद यदि वा न वेद RV. 10, 129, 7. यं ते वहन्ति कृरितो वहन्तिष्ठाः शंतमश्ना यदि वा सप्त ब्रह्मीः AV. 13, 2, 6. ÇĀT. Br. 1, 1, 2. 2. KĀND. UP. 7, 24, 1. आत्मनो यदि वान्येषाम् M. 11, 114. अज्ञानाद्यदि वा ज्ञानात् Spr. 3306. R. 1, 2, 37. 40, 13. सुवृत्ता यदि वावृत्ता (so ist zu lesen) 3, 63, 8. DAÇ. 2, 8. निन्दतु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवतु Spr. 1381. 5268. VARĀH. BRH. S. 18, 1. 43, 34. 54, 91. यत्कोरत्यश्रुं कर्म श्रुं वा यदि (= यदि वा) Spr. 4733. यदि वा = अथ वा (s. u. अथ 7, b, β) KATHĀS. 26, 24. 90. 233. — Nach MED. avj. 39 wird यदि गर्हाविकल्पयोः gebraucht, nach TRIK. 3, 4, 5 ist यदि शेषगीः (?). Ausführlich hat über यदि gehandelt LASSEN in seiner Ausg. des GĪR. S. 106. fgg.

यदिच्छा in °मात्रतस् KATHĀS. 121, 100 wohl fehlerhaft für यदच्छा.
यदीय (von 1. य) adj. cujus (relat.) P. 1, 4, 74, Sch. KĀNDOM. 42. RĀGATAR. 4, 48. BHĀG. P. 10, 39, 44. 61, 5. KULL. zu M. 3, 15. 9, 17c. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 308, Çl. 34. 7, 12, Çl. 44.

यैडु m. N. pr. eines Stammes und Stammhelden, gewöhnlich neben Turvaça (Turvasu) genannt; auf einem Zuge aus der Ferne her und beim Uebergange über einen Strom von Indra beschützt J. V. 1, 34, 6. पौर्या तुर्वशं यैडुं स्वस्ति 174, 9. उत वा तुर्वशापद्मं अज्ञातारा शचोपतिः । इन्द्रो विद्वां अपारयत् 4, 30, 17. 5, 31, 8. य आनंयत्पारवतुः सुनीती तुर्वशं यैडुम् 6, 43, 1. 8, 4, 7. 7, 18. 10, 49, 8. 1, 36, 18. 8, 9, 14. 10, 5. 43, 27. 9, 61, 2. pl. 1, 108, 8. MBh. 1, 46. BHĀG. P. 1, 12, 37. 3, 2, 8. 12, 1, 34. ÇĪÇ. 9, 38.

4*